Q1) तिब्बत सेन्कट क्या था?
Ans तिब्बत उत्तर मे भारतीय सीमा के दुतर है। दलाई लामा तिब्बत के धार्मिक और राजनीतिक नेता थे। 1933-39 K.M.T के दौरान चीन ने तिब्बत के विदेशी मामलो को नियमित करने की कोशिश की। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत मे चीन तिब्बत पर कब्जा नही जमा पाया था। भारत चाहता था कि तिब्बत एक स्वाशासित क्षेत्र रहे और भारत और चीन के बीच एक दिवार बनकर रहे। चीन मे जब नागरिक युद्ध शुरू हुआ तो तिब्बत की स्थिति बहुत असहज थी। 1949 की चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (PRC) ने KMT के व्यवस्था चीन मंडल को तिब्बत खाली करने को कहा। चीन ने तिब्बत पर दावा किया जिसे भारत ने मान्यता दी क्योंकि भारत चीन के प्रति खुला विरोध नही करना चाहता था।

अक्टूबर 1950 मे भारत को पता चला की चीन ने तिब्बत पर आक्रमण कर दिया है भारत ने उसका विरोध किया परन्तु चीन ने कोई परवाह नही की। चीन ने तिब्बत की स्वायत्तता को अस्वीकार कर दिया। 23 मई 1951 को दलाई लामा को एक समझौता पर हस्ताक्षर के लिए मजबूर किया गया जिसके अनुसार तिब्बत ने चीन के आधिपत्य को स्वीकार किया था। और कुछ ही मामलो मे तिब्बत की सीमित शक्ति मे अधिकार को भी माना था।

Q2) गैर कांग्रेसवाद से आप क्या समझते है?
Ans- विपक्षी दल जनता के विरोध को नेतृत्व प्रदान कर रहे थे। कांग्रेस की विरोधी पार्टी यह महसूस करने लगी थी कि उनके वोट बंट जाने के कारण ही कांग्रेस सत्ता के आसान मार्ग पर रही है। इसलिए आपसी विचार धाराओ और कार्यक्रमो मे पर्याप्त अंतर होने के बावजूद भी उन्होंने

कई राज्यो मे एक जुट होकर कॉंग्रेस विरोधी मोर्चा बनाया तथा कई राज्यो मे सीट संबंधी ~~जोड़ तोड़ के आधार पर उन्होंने कई राज्यों~~ मे तालमेल किया ~~इंदिरा~~

इंदिरा गांधी की अनुभवहीनता व कॉंग्रेस की अंदरूनी खींचतान का फायदा उठाने का सुनहरा अवसर उनके सामने थे। इसी रणनीति को समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने गैर - कॉंग्रेसवाद का नाम दिया। गैर कॉंग्रेसवाद के पक्ष मे तर्क देते हुए कॉंग्रेस शासन को गरीबो के हितो के खिलाफ तथा अलोकतांत्रिक करार दिया और गरीबो के हक मे लोकतंत्र को वापस लाने के लिए गैर कॉंग्रेसी दलो का एकजुट होना आवश्यक बताया।

Q (3) 1975 मे आपातकाल की घोषणा करने के कोई चार कारण लिखिए,

Ans 25 जून 1975 की रात्रि से भारत मे आपातकाल की घोषणा कर दिया गया था। आपातकाल की आवश्यकता बताते हुए सरकार ने इसके निम्न कारण बताए।

(i) सरकार के अनुसार विपक्षी दल उन्हे उनकी नीतियो के अनुसार शासन नही चलाने दे रही थी। वे बार-बार धरना प्रदर्शन तथा सामूहिक कार्यवाही करके देश मे अस्थिरता पैदा कर रहे थे।

(ii) आपातकाल की घोषणा के कारण का उल्लेख करते हुए संविधान मे बड़े खोद ढंग से 'अंदरूनी गड़बड़ी' जैसे शब्द का व्यवहार किया गया 1975 से पहले कभी भी 'अंदरूनी गड़बड़ी' को आधार बना कर आपातकाल की घोषणा नही की गयी थी।

(iii) इंदिरा गांधी के समर्थक यह भी मानते थे कि लोकतंत्र मे सरकार पर निशाना साधने के लिए लगातार गैर संसदीय राजनीति का सहारा नही लिया जा सकता,

(iv) भारत की एकता के विरुद्ध अंतराष्ट्रीय साजिश की जा रही थी। ऐसी सूरत मे विरोध पर एक हद तक प्रतिबंध लगाना उचित है।